Fax Message No. 791 /ICAR HQ.
Dated 28/1/2013
No. of Pages 05

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH
KRISHI BHAWAN: NEW DELHI

F. No. 21-2/2013-CDN Dated the 28th January, 2013

ENDORSEMENT

The Government of India, Ministry of Home Affairs/Grih Mantralaya has issued the L.No. 2/1/2013-Public dated 15.1.2013 regarding Observance of silence on 30th January in the memory of those who gave their lives in the struggle for India's freedom (Copy enclosed for ready reference) The above mentioned Letter No. is being uploaded on the ICAR Web-Site www.icar.org.in for information and further guidance.

(J.N. BHAGAT)
Under Secretary (GAC)

DISTRIBUTION :-

1. All Directors/Project Directors of all ICAR Institutes/National Research Centres/Project Coordinators/Coordinated Research Projects/Zonal Project Coordinators/Bureaux
2. Sr.PPS to DG, ICAR/PPS to Secretary, ICAR/PPS to FA (DARE).
3. Chairman ASRB/ND, NAIP/ Project Director(DKMA), Pusa, New Delhi.
4. Shri Hans Raj, ISO, (DKMA) KAB-I for putting in the ICAR Web-Site.
5. All Officers/Sections at ICAR Krishi Bhawan/KAB-I/II & NASC Complex.
6. Secy. (Staff Side), CJSC, National Research Centre on Meat, Chengicherla, Hyderabad – 500 039
7. Secy. (Staff Side), HJSC, ICAR, KAB-II
8. Guard file/Spare copies

No.2/ 1 /2013-Public
Government of India / Bharat Sarkar
Ministry of Home Affairs / Grih Mantralaya

North Block, New Delhi.
January 15 2013

15 JAN 2013

To

The Chief Secretaries/Administrators of all
State Governments/Union Territory Administrations

Sub:- Observance of silence on 30th January in the memory of those who gave their lives in the struggle for India's freedom.

Sir/ Madam,

I am directed to say that on 30th January every year, two minutes' silence is observed at 11:00 A.M., throughout the country, in the memory of those who gave their lives in the struggle for India's freedom.

2. The following standing instructions have been laid down for observance of this day:

(i) Silence should be observed and work and movement stopped for two minutes throughout the country at 11:00 A. M. on 30th January every year.

(ii) Wherever available, the commencement and termination of the two minutes' silence period should be indicated by sound of siren or Army guns. To indicate the commencement of the two minutes' silence, sirens should be sounded from 10:59 hrs till 11:00 hrs and after two minutes, all clear sirens should again be sounded from 11:02 hours till 11:03 hours. This procedure may be adopted where sirens exist.

(iii) On hearing the signal (wherever available), all persons would stand up and observe the silence. It would be more effective if people could gather at one place for observing the silence instead of each person standing in his room or at any other place. However, no effort need be made to assemble at one place if it involves serious dislocation of work.

(iv) At places where no signal system is available, suitable instructions can be passed on to all concerned for observing the silence for two minutes at 11:00 A.M.

3. In the past, it has been observed that while two minutes' silence is observed in some offices, the general public goes about its occupation in the ordinary course, unmindful of the solemnity of the occasion. The State Governments/ Union territories are, therefore requested to take necessary steps to ensure that the

- 2 -

2

Martyrs' Day is observed with due solemnity and with better public participation. For this, they are requested to take the following steps:-

(i) Instructions may be issued to all educational institutions in the State/ Union Territory and Public Sector Enterprises under them for observance of the Martyrs' Day with full solemnity and in a befitting manner. Speeches and talks connected with the significance of the day, particularly mentioning the role of freedom fighters in the freedom of India may be made. The theme of talks and speeches could also deal with the duty and the moral obligation of every citizen to preserve, protect and enrich the hard-earned freedom and to promote a sense of national integration and commitment to common goals and ideals.

(ii) Field publicity units of the State/ UT may hold cultural programmes and/ or films/ documentaries with the basic themes of Indian Freedom Movement, the role of the martyrs in the Freedom Struggle, national integration.

(iii) Various Chambers of Commerce and Industry in the State/ UT may also be requested to ensure proper observance of the Martyrs' Day by their members and affiliated associations and organisations.

Yours faithfully,

M Shyamala

(Shyamala Mohan)
Director to the Govt. of India
Tel. 2309 2587
Fax. 2309 3750

No.2 /1/ 2013-Public New Delhi, the 15, January 2013

Copy, for information, to the Secretary to the Governors/ Lt. Governors of all States/ Union Territory Administrations.

M Shyamala

(Shyamala Mohan)
Director to the Govt. of India
Tel. 2309 2587
Fax. 2309 3750

4

सं. 2/1/2013-पब्लिक
भारत सरकार
गृह मंत्रालय
***

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी, 2013

सेवा में,

15 JAN 2013

सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिव/
संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के प्रशासक

विषय : भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणो की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में 30 जनवरी को मौन धारण करना ।

महोदय/महोदया,

मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में प्रतिवष 30 जनवरी को पूर्वाहन् 11: 00 बजे देश भर में दो मिनट का मौन रखा जाता है।

2. इस दिन को मनाए जाने के लिए निम्नलिखित स्थायी अनुदेश निर्धारित किए गए है : -

(i) प्रत्येक वर्ष 30 जनवरी को पूर्वाहन् 11: 00 बजे देश भर में दो मिनट का मौन रखा जाना चाहिए तथा काम और गतिविधियों रोक दी जानी चाहिए।

(ii) जहाँ-कहाँ उपलब्ध हो, दो मिनट का मौन रखा जाना चाहिए तथा काम और गतिविधियां रोक दी जानी चाहिए। दो मिनट का मौन शुरू होने की सूचना पूर्वाहन् 10.59 बजे से 11:00 बजे तक सायरन बजाकर दी जानी चाहिए और फिर दो मिनट बाद 11:02 से 11:03 बजे तक पुनः ऑल क्लीयर सायरन बजाए जाने चाहिए। जहाँ सायरन उपलब्ध हो वहाँ यही कार्यविधि अपनाई जाए।

(iii) सिगनल (जहाँ उपलबध हों), सुनकर सभी व्यक्ति खड़े हो जाएं और मौन धारण करें । मौन धारण करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कमरे में अथवा किसी दूसरे स्थान पर, अकेले खड़े होने के बजाए सभी व्यक्तियों द्वारा एक ही स्थान पर इकट्ठे खड़े होना अधिक प्रभावशाली होगा। फिर भी यदि कार्य में अत्यधिक अस्त-व्यस्तता होने की आशंका हो तो सबको एक जगह एकत्रित किए जाने के प्रयास करने की आवश्यकता नहीं है ।

(iv) जिन स्थानो पर सिगनल की कोई व्यवस्था न हा वहाँ पूर्वाहन् 11: 00 बजे दो मिनट का मौन धारण करने के लिए सभी संबंधितों का उपयुक्त अनुदेश दिए जा सकते हैं।

3. विगत में, यह देखा गया है कि यद्यपि कुछ कार्यालयों मे दो मिनट का मौन रखा जाता है परन्तु आम जनता इस अवसर की गंभीरता पर ध्यान दिए बिना अपने सामान्य रूप से अपने कामकाज

5

में लगी रहती है। इसलिए, राज्य सराकरों/संघ राज्य क्षेत्रों से अनुरोध है कि वे शहीद दिवस पर शहीदों के प्रति श्रद्धा-सम्मान की भावना को जागरूक करते हुए इस श्रद्धांजलि में जनता के प्रत्येक वर्ग की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें। इस प्रयोजनार्थ उनसे निम्नलिखित कदम उठाने का अनुरोध किया जाता है:-

(i) शहीद दिवस को गंभीरतापूर्वक तथा उचित रूप से मनाए जाने के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित शैक्षिक संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को अनुदेश जारी किए जांए। इस दिन के महत्व के बारे में भाषण और वार्ताएं आयोजित की जाएं जिनमें भारत की स्वतंत्रता में स्वतंत्रता सेनानियों की भूमिका का विशेष उल्लेख किया जाए। कठिनाई से प्राप्त की गई स्वतंत्रता की सुरक्षा, सुरक्षा तथा समृद्धि के प्रति प्रत्येक नागरिक के कर्त्तव्य और नैतिक दायित्व को इन भाषणो एवं वार्ताओं का विषय बनाया जा सकता है और राष्ट्रीय एकता की भावना के संवर्धन तथा सांझा उद्देश्यों और आदर्शों के प्रति वचनबद्धता का भी उल्लेख किया जा सकता है।

(ii) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की क्षेत्रीय प्रचार यूनिटें ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों और/अथवा फिल्मों/वृत चित्रों का आयोजन कर सकती है जिनका मूल विषय भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन, स्वतंत्रता संग्राम में शहीदों की भूमिका और राष्ट्रीय एकता हो ।

(iii) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विभिन्न वाणिज्य और उद्योग संघो से भी सुनिश्चित करने का अनुरोध किया जाए कि उनके सदस्य, सम्बद्ध एसोसिएशनें तथा संगठन शहीद दिवस को उचित रूप से मनाएं।

श्या. मोहन

(श्यामला मोहन)
निदेशक, भारत सरकार
दूरभाष : 2309 2587
फैक्स: 23093750

प्रतिलिपि, सभी राज्यों के राज्यपालों/उप-राज्यपालों के सचिवों/संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासकों को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतू प्रेषित ।

श्या. मोहन

(श्यामला मोहन)
निदेशक, भारत सरकार
दूरभाष : 2309 2587

— 5 —